संकलित परीक्षा-I (कक्षा-नवीं)
विषय : हिन्दी 'ब'
सैट-'ख'

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 90

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र में **चार खंड** हैं - क, ख, ग, और घ।
(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

(खण्ड-क)
(अपठित बोध)

प्र1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प वाले उत्तर लिखिए : (5x1=5)

गाँधी जी ने अपने हर कार्य को गरिमामय मानते हुए किया। वे अपने सहयोगियों को श्रम की गरिमा की सीख दिया करते थे। दक्षिण अफ्रीका में भारतीय लोगों के लिए संघर्ष करते हुए उन्होंने सफाई करने जैसे कार्य को भी कभी नीच नहीं समझा और इसी कारण स्वयं उनकी पत्नी कस्तूरबा से भी उनके मतभेद हो गए थे।

बाबा आमटे ने समाज द्वारा तिरस्कृत कुष्ठ रोगियों की सेवा में अपना समस्त जीवन समर्पित कर दिया। सुंदरलाल बहुगुणा ने अपने प्रसिद्ध 'चिपको आन्दोलन' के माध्यम से पेड़ों को संरक्षण प्रदान किया। फ़ादर डेमियन ऑफ मोलाकाई, मार्टिन लूथर किंग और मदर टेरेसा जैसी महान आत्माओं ने इसी सत्य को ग्रहण किया। इनमें से किसी ने भी कोई सत्ता प्राप्त नहीं की बल्कि अपने जनकल्याणकारी कार्यों से लोगों के दिलों पर शासन किया। गाँधीजी का स्वतंत्रता के लिए संघर्ष उनके जीवन का एक पहलू है, किंतु उनका मानसिक क्षितिज वास्तव में एक राष्ट्र की सीमाओं में बँधा हुआ नहीं था। उन्होंने सभी लोगों में ईश्वर के दर्शन किए। यही कारण था कि कभी किसी पंचायत तक के सदस्य नहीं बनने वाले गाँधीजी की जब मृत्यु हुई तो अमेरिका का राष्ट्रध्वज भी झुका दिया गया था।

(i) बाबा आमटे ने समाज के लिए क्या किया?
(क) गरीब लोगों की सेवा की। (ख) समाज की सेवा की।
(ग) सफ़ाई की शिक्षा दी। (घ) तिरस्कृत कुष्ठ रोगियों की सेवा की।

(ii) सुंदरलाल बहुगुणा ने कौन-सा आंदोलन चलाया?
(क) चिपको आंदोलन। (ख) दूर हटो आंदोलन।
(ग) पास आओ आंदोलन। (घ) असहयोग आंदोलन।

(iii) अमेरिका ने गांधी जी की मृत्यु पर श्रद्धा कैसे व्यक्त की?
(क) अमेरिका का राष्ट्रध्वज फहराकर। (ख) अमेरिका का राष्ट्रध्वज झुकाकर।
(ग) अमेरिका का राष्ट्रध्वज रखकर। (घ) अमेरिका में अवकाश घोषित करके।

(iv) 'स्वतंत्रता' शब्द में प्रत्यय है -
(क) ता (ख) त्रता
(ग) तंत्र (घ) आ

(v) गद्यांश का उचित शीर्षक है -
(क) बाबा आमटे (ख) हमारे महापुरुष
(ग) सुंदरलाल बहुगुणा (घ) महात्मा गांधी

प्र2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प वाले उत्तर लिखिए : (5)

ज़िंदगी जीने के लिए है, बिताने के लिए नहीं और ज़िंदगी वही जीता है, जिसमें आत्मविश्वास है। जीवन को जीतने की संज्ञा दी गई है। इसमें वही विजयी होता है जिसमें दृढ़ इच्छाशक्ति हो, जो कठिनाइयों का सामना कर सके। मनुष्य का जीवन एक कर्मक्षेत्र है, एक संग्राम है, एक संघर्ष है जहाँ आरंभ से लेकर अंत तक कर्त्तव्य को साहस और धैर्य के साथ निभाना पड़ता है। साहस मनुष्य के मन का सम्राट है। साहस और निराशा दोनों में विरोधाभास है। जब साहस मार्ग दिखाता है, तो अन्य मानसिक और शारीरिक शक्तियाँ भी जाग्रत होकर निराशा को समाप्त कर देती हैं। ठोकर खाकर गिरने में कोई अपराध नहीं है, अपितु गिरकर न उठना महा अपराध है। जब काली घटाएँ व्यक्ति के सिर पर छा रही हों तो विद्वानों की तरह याद रखना चाहिए कि काली घटाओं के पीछे सूरज चमक रहा है और घटाओं के सीमा पार करते ही प्रकाश फैल जाएगा। मनुष्य का सबसे अंधकारमय पक्ष उसका अपना मन ही है और मनुष्य का श्रेष्ठतम पक्ष उसके मानसिक विचार हैं।

हर व्यक्ति की सफलता उसके हाथ में है। मैं समर्थ हूँ, मैं कर सकता हूँ, मैं परिस्थितियों पर विजय प्राप्त करूँगा। इस प्रकार के सकारात्मक विचार व्यक्ति के मनोबल को बढ़ाते हैं। सुख-दुःख का अहसास व्यक्ति की मनःस्थिति पर निर्भर करता है। जहाँ से सहन करने की शक्ति समाप्त हो जाती है, वहीं से दुःख प्रारंभ हो जाता है। मनोबल ही जीवन-सुधा है। मानव-शक्ति की वास्तविक सफलता उसकी संकल्प-शक्ति व मनोबल पर निर्भर है।

(i) ज़िंदगी में कौन विजयी होता है?

(क) जो आत्मविश्वासी न हो।

(ख) जो दृढ़ इच्छा शक्ति और कठिनाइयों का सामना करने वाला हो।

(ग) संग्राम करने वाला

(घ) अधीर व्यक्ति

(ii) लेखक ने मानव-जीवन को किसके समान माना है?

(क) कर्मक्षेत्र (ख) धर्मक्षेत्र

(ग) युद्धक्षेत्र (घ) कुरुक्षेत्र

(iii) लेखक की दृष्टि में सबसे बड़ा अपराध क्या है?

(क) गिर कर बैठ जाना। (ख) गिरकर न उठना।

(ग) उठकर बैठ जाना। (घ) उठकर चलना।

(iv) 'निराशा' शब्द में उपसर्ग है -

(क) आशा (ख) निर्

(ग) नि (घ) निरा

(v) मनुष्य को सकारात्मक विचार रखने चाहिए क्योंकि वे -

(क) मनोबल को बढ़ाते हैं। (ख) संकल्प शक्ति क्षीण करते हैं।

(ग) मनःस्थिति को दर्शाते हैं। (घ) सहन शक्ति को कम करते हैं।

प्र3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प वाले उत्तर लिखिए :- (5x1=5)

मैं चला, तुम्हें भी चलना है तलवारों पर
सर काट हथेली पर लेकर बढ़ आओ तो।
इस युग को नूतन स्वर तुमको ही देना है,
अपनी क्षमता को आज ज़रा अज़माओ तो।
दे रहा चुनौती समय अभी नवयुवकों को

मैं किसी तरह मंज़िल तक पहले पहुँचूँगा।
इस महाशांति के लिए हवन-वेदी पर मैं
हँसते-हँसते प्राणों की बलि दे जाऊँगा।
तुम बना सकोगे भूतल का इतिहास नया,
मैं गिरे-हुए लोगों को गले लगाऊँगा।
क्यों ऊँच-नीच, कुल, जाति, रंग का भेद-भाव?
मैं रूढ़िवाद का कल्मष-महल ढहाऊँगा।
जिनका जीवन वसुधा की रक्षा हेतु बना
मर कर भी सदियों तक यों ही वे जीते हैं।
दुनिया को देते हैं यश की रसधार विमल
खुद हँसते-हँसते कालकूट को पीते हैं।
है अगर तुम्हें यह भूख 'मुझे भी जीना है।'
तो आओ मेरे साथ नींव में गड़ जाओ।
ऊपर इसके निर्मित होगा आनंद-महल
मरते-मरते भी दुनिया में कुछ कर जाओ।

(i) काव्यांश में 'तुम्हें भी चलना है तलवारों पर' से तात्पर्य है -
(क) कठिनाइयों का सामना करना। (ख) कठिनाइयों से मुँह मोड़ना।
(ग) कठिनाइयों से हारना। (घ) कठिनाइयों से भागना।

(ii) कवि ने क्या करने का संकल्प लिया है?
(क) भेदभाव रखने का। (ख) गिरे हुए लोगों को गले लगाने का।
(ग) काल कूट पीने का। (घ) जीवन अमर बनाने का।

(iii) कवि ने किस कल्मष महल को ढहाने की बात की है?
(क) प्रगतिवाद के। (ख) विकासवाद के।
(ग) छायावाद के। (घ) रूढ़िवाद के।

(iv) इनमें से पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार का उदाहरण है -
(क) हँसते-हँसते (ख) मरते-मरते।
(ग) 'क' और 'ख' दोनों। (घ) कोई नहीं।

(v) उपर्युक्त काव्यांश का मूल भाव है -
(क) जीवन में आगे बढ़ना। (ख) जीवन जीना।
(ग) जीवन चलाना। (घ) शहीद हो जाना।

प्र4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प वाले उत्तर लिखिए :- (5x1=5)

मेरा माझी मुझसे कहता रहता था,
बिना बात तुम नहीं किसी से टकराना।
पर जो बार-बार बाधा बन कर आएँ
उनके सिर को वहीं कुचल कर बढ़ जाना।
जानबूझ कर मेरे पथ में आती हैं,
भवसागर की चलती-फिरती चट्टानें।
मैं इनसे जितना ही बचकर चलता हूँ

उतना ही मिलती हैं ये ग्रीवा ताने।
रख अपनी पतवार, कुदाली लेकर मैं,
तब मैं इनका उन्नत भाल झुकाता हूँ।
राह बनाकर नाव बढ़ाए जाता हूँ।
जीवन की नैया का चतुर खिवैया मैं
भवसागर में नाव बढ़ाए जाता हूँ।

(i) कवि का माझी उससे क्या कहता है?

(क) बिना वजह किसी से न लड़ना। (ख) हर किसी से अड़ जाना।

(ग) सबसे टकराना। (घ) सबको कुचलना।

(ii) 'चलती-फिरती चट्टानों' से तात्पर्य है -

(क) जीवन में आने वाले सुखों से। (ख) जीवन की पतवार से।

(ग) जीवन में आने वाली कठिनाइयों से। (घ) भवसागर की नाव से।

(iii) कवि ने चतुर खिवैया किसे कहा है?

(क) स्वयं को। (ख) ईश्वर को।

(ग) संसार को। (घ) किसी को नहीं।

(iv) इनमें से अनुप्रास अलंकार का उदाहरण है -

(क) मेरा माझी। (ख) भवसागर में नाव।

(ग) उतना ही मिलती। (घ) ग्रीवा ताने।

(v) उपर्युक्त काव्यांश का शीर्षक है -

(क) जो बार-बार बाधा बनकर आए। (ख) जानबूझ कर मेरे पथ में आती है।

(ग) मेरा माझी मुझसे कहता है। (घ) भवसागर में नाव डुबोए।

(खण्ड-ख)

(व्यावहारिक व्याकरण)

प्र5. (क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए :- (2)

निर्मूल, हिमपात

(ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार व अनुनासिक लगाइए :- (2)

वायुमडल, गेहू, सचार, क्योकि

(ग) 'फ' में नुक्ता लगाकर दो शब्द बनाइए। (1)

(घ) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द व उपसर्ग अलग कीजिए :- (2)

सर्वश्रेष्ठ, दुर्लभ

(ङ) 'ता' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए। (1)

प्र6. (क) सन्धि-विच्छेद कीजिए :- (2)

चंद्रोदय, भवन

(ख) सन्धि कीजिए :- (2)

योग + अभ्यास, अति + अधिक

प्र7. निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर विराम-चिह्न लगाइए :- (3)

(क) जो संतोषी होते हैं वे ही सुखी रहते हैं

(ख) पढ़ते पढ़ते मेरी आँख लग गई

(ग) दुनिया का सबसे ऊँचा पर्वत कौन सा है

(खण्ड-ग)

(पाठ्य-पुस्तक)

प्र8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- (2+2+1)

(क) बेस कैंप में लेखिका की मुलाकात किससे हुई? उन्होंने लेखिका का उत्साह कैसे बढ़ाया? 'एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा' पाठ के आधार पर बताइए।

(ख) 'तुम कब जाओगे, अतिथि' पाठ के आधार पर बताइए कि एस्ट्रॉनाट्स और अतिथि में क्या अंतर था?

(ग) 'सामीप्य की बेला' की तुलना लेखक ने किससे की? 'तुम कब जाओगे, अतिथि' पाठ के आधार पर बताइए।

प्र9. किसी भी मनुष्य की पोशाक उसका परिचय देती है। कभी-कभी पोशाक बंधन व अड़चन बन जाती है। अपने अनुभव के आधार पर बताइए कि क्या आपने कभी पोशाक के कारण प्रशंसा या समस्या का सामना किया है? (5)

प्र10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

हमारी सभ्यता इस धूल के संसर्ग से बचना चाहती है। वह आसमान में अपना घर बनाना चाहती है इसलिए शिशु भोलानाथ से कहती है, धूल में मत खेलो। भोलानाथ के संसर्ग से उसके नकली सलमे-सितारे धुँधले पड़ जाएँगे। जिसने लिखा था - "धन्य-धन्य वे हैं नर मैले जो करत गात कनिया लगाए धूरि ऐसे लरिकान की," उसने भी मानो धूल भरे हीरों का महत्त्व कम करने में कुछ उठा न रखा था।

(क) हमारी सभ्यता आसमान में अपना घर क्यों बनाना चाहती है? (1)

(ख) 'नकली सलमे-सितारे' का क्या अर्थ है? (2)

(ग) शिशु भोलानाथ को किस बात की मनाही है और क्यों? (2)

प्र11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

(क) रैदास ने प्रभु से अपनी निकटता सिद्ध करने के लिए कौन-कौन से उदाहरण दिए हैं? (2)

(ख) हमें अपने मन की व्यथा दूसरों को क्यों नहीं बतानी चाहिए? 'रहीम के दोहे' के आधार पर बताइए। (2)

(ग) रहीमदास के दोहों की भाषा का नाम लिखिए। (1)

प्र12. 'आदमीनामा' कविता में कवि ने मनुष्य की अनेक चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन किया है। आप उनमें से किन गुणों को अपनाना चाहेंगे और क्यों? उदाहरण सहित उत्तर दीजिए। (5)

प्र13. वैज्ञानिक उपकरण जहाँ मनुष्य के लिए वरदान हैं, वहीं पशु-पक्षियों के लिए अभिशाप हैं। आप अपने किन छोटे-छोटे प्रयासों द्वारा पशु-पक्षियों के जीवन को सुरक्षित रख सकते हैं? स्पष्ट कीजिए। (5)

(खण्ड-घ)

(लेखन)

प्र14. नीचे दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर 80 से 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए :- (5)

(क) करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान

- लोकोक्ति का अर्थ
- अभ्यास ही मनुष्य की सफलता का प्रतीक
- महापुरुषों के उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए
- निष्कर्ष

(ख) विज्ञापन : एक कला, एक आवश्यकता

- आज का युग विज्ञापन का युग
- व्यापार का आधार
- ज्ञान स्रोत
- हानि व निष्कर्ष

(ग) दिल्ली की बदलती तस्वीर

- क्षेत्र एवं आबादी
- शहरी सौंदर्यीकरण एवं समस्याएँ
- सुविधाओं का विस्तार
- निष्कर्ष

प्र15. अपने छोटे भाई को झूठ दिखावा न करने तथा पढ़ाई पर ध्यान देने की सीख देते हुए पत्र लिखिए। (5)

प्र16. निम्नलिखित चित्र को देखकर 20 से 30 शब्दों में अपने विचार प्रकट कीजिए। (5)

प्र17. परीक्षा में आए कठिन प्रश्नों को लेकर दो छात्रों के बीच हुए संवाद को 50 शब्दों में लिखिए। (5)

प्र18. दाँतों को मज़बूत व चमकदार बनाने वाले टूथपेस्ट का विज्ञापन 25 से 30 शब्दों में तैयार कीजिए। (5)